2204 Ae
31/01/20

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

हिन्दी अध्ययन केंद्र

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान

गांधीनगर- 382030

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

स्नातक कक्षाओं हेतु वैकल्पिक पाठ्यक्रम

हिन्दी अध्ययन केंद्र

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी अध्ययन केंद्र

स्नातक कक्षाओं के विद्यार्थियों हेतु वैकल्पिक प्रश्न पत्र
पाठ्य पत्र- सामान्य हिन्दी

पाठ्यपत्र कोड-140 **क्रेडिट 04**

इकाई 1.

हिन्दी गद्य की विविध विधाएं- कहानी- ठाकुर का कुआं (मुंशी प्रेमचंद), निबंध- उत्साह (रामचन्द्र शुक्ल), रेखाचित्र- सरजू भैया (रामवृक्ष बेनीपुरी), संस्मरण- निराला (महादेवी वर्मा), यात्रा वृतान्त- सौन्दर्य की नदी नर्मदा का अंश (अमृतलाल वेगड़), व्यंग्य- राजनीति का बंटवारा (हरिशंकर परसाई), आत्मकथांश- मुर्दहिया (तुलसीराम)

इकाई 2.

मैथिलीशरण गुप्त- सखी वे मुझसे कहकर जाते, नर हो न निराश करो मन को
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'- वह तोड़ती पत्थर, बादल राग (चयनित भाग)
हरिवंशराय बच्चन- जो बीत गई, अब निशा देती निमंत्रण
नागार्जुन- मास्टर, पांच पूत भारत माता के
रामधारीसिंह दिनकर- जनतंत्र का जन्म
सुभद्राकुमारी चौहान- वीरों का कैसा हो वसंत
सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन 'अज्ञेय'- नदी के द्वीप

इकाई 3.

हिन्दी व्याकरण :
वर्ण विचार
शब्द विचार : शब्दों के भेद (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, क्रिया विशेषण, सम्बंधसूचक आदि)
संधि
समास
वाक्य रचना

विराम चिह्न

विलोम शब्द

पर्यायवाची शब्द

एकार्थी एवं अनेकार्थी शब्द

शब्द शुद्धि

इकाई 4-

व्यावहारिक हिन्दी

निबंध लेखन

पत्र लेखन

पल्लवन और संक्षेपण

अपठित गद्यांश

कंप्यूटर में हिन्दी

पाठ्य पत्र- हिन्दी कविता

पाठ्यपत्र कोड-121 **क्रेडिट 06**

इकाई 1.

हिन्दी कविता का इतिहास

भक्तिकालीन कविता की पृष्ठभूमि

भक्तिकालीन कविता की विविध धाराएँ एवं विशेषताएं

रीतिकालीन कविता की विविध धाराएँ एवं विशेषताएं

आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि

आधुनिक हिन्दी कविता के सामान्य प्रवृत्तियां

इकाई 2.

मध्यकालीन हिन्दी कविता

कबीर (चयनित साखी-पद) 1. पाहन पूजैं हरि मिले... 2. कस्तूरी कुंडली बसे 3. कांकर पाथर जोरी.. 4. हमारे कैसे लोहू तुम्हारे कैसे 5. दुलहिनी गाँवहु मंगलाचार...

सूरदास (चयनित पद) 1. बुझत श्याम कौन तु गौरी .. 2. निर्गुण कौन देश को बासी..3. मैया कबहूँ बढैगी चोटी...

तुलसीदास (चयनित पद) 1. परहित सरिस धर्म नहीं भाई... 2. असी रघुपति लीला उरगारी...

बिहारी (चयनित पद) 1. कहत नटत रीझत... 2. नहिं पराग नहिं... 3. कागद पर लिखत न बनत... 4. कनक कनक..

घनानंद (चयनित पद) 1. अति सूधो सनेह को मारग है..... 2. पहले अपनाय सुजान सनेह

इकाई 3.

आधुनिक हिन्दी कविता

मैथिलीशरण गुप्त- मनुष्यता, हमारा अतीत, नर हो न निराश करो मन को

जयशंकर प्रसाद- आंसू, विभावरी, अरुण यह मधुमय देश हमारा

महादेवी वर्मा- मैं नीर भरी दुःख की बदली, मंदिर दीप, क्या पूजा क्या अर्चन

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'- दीन, वह तोड़ती पत्थर, वसंत आया,

सुमित्रानंदन पन्त- प्रथम रश्मि, ताज, वाणी

इकाई 4.

आधुनिक हिन्दी कविता

नागार्जुन- उनको प्रणाम, तीनों बंदर बापू के

केदारनाथ अग्रवाल- मैंने उसको जब जब देखा, वीरांगना, जो जीवन की धुल चाटकर बड़ा हुआ है

सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन 'अज्ञेय'- कन्हाई ने प्यार किया, कलगी बाजरे की

केदारनाथ सिंह- झरने लगे नीम के पत्ते, विद्रोह

धूमिल- गाँव, बीस साल बाद

कुंवरनारायण- अबकी अगर लौटा तो, बात सीधी थी पर, मामूली जिन्दगी जीते हुए